



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 28, 1984/आश्विन 6, 1906

No. 28] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 28, 1984/ASVINA 6, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेन्ज/2)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269, घ(1) के अधीन सूचना

अहमदाबाद, 26 सितम्बर, 1984

निर्देश नं. पी.आर. नं. 3032/2/84-85.—अतः मुझे जी.के.
पंड्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है और जिसकी सं.प्लॉट नं. सी/116 एस. नं. 159-160-
185-190 है। तथा जो बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1-12-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथागुर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
एक दृश्यमान प्रतिफल का गन्नाहू प्रतिशत अधिक है और अन्तरक

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से युक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और/या अन्य/या ;

(ख) ऐसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)
या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी राजेन्द्र भगवान दास गज्जर
मांजल पुर,
बड़ोदा।

(अन्तरक)

- (2) श्री/श्रीमती/कुमारी सुरेन्द्र रमनलाल परीख
अमर फ्लैट,
आनन्द सोसाइटी,
बड़ौदा । (अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो टागोर नगर, को. ओ. सोसायटी में स्थित है । जिसका सं. नं. 159, 160, 185, 190, 191 है । सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 338 नसर पर ता. 1-12-1983 की रजिस्टर्ड की गई है ।

अहमदाबाद

तारीख : 26-9-1984 ।

मोहर :

MINISTRY OF FINANCE
(OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II)
Notice under section 269 D(1) of the Income-tax
Act 1961 (43 of 1961)

Ahmedabad, the 26th September, 1984

Ref. No. P. R. No. 3032 Acq. 23/II/84-85.—
Whereas, I, G. K. Pandya, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Tagor Nagar Co-op. Socy., Plot No. C/116 S. No. 159-160-185-190 (and more fully described in the Schedule annexed have to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons, namely :—

Rajendra Bhagwandas Gajjar,
Majalpur,
Near Lalbag—Baroda. (Transferor) (s)

Surendra Ramanlal Parikh,
Amar Flat—Anand Society,
Baroda. (Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Akota S. No. 159-160-187-190-191,
Tagore Nagar Co-op. Socy. Plot No. C/116.
Ahmedabad.

Dt. 26-9-1984.

Seal :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269, घ (1) के अधीन सूचना

अहमदाबाद, 21 सितम्बर, 1984

निर्देश नं. पी. आर. नं. 3007/2.—अतः मुझे जी. के. पंड्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं 987 और 988, कलोल, प्लॉट नं 64 है। तथा जो कलोल में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-1-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या

(ख) ऐसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मदखान नसूरखान पठाण कोटा कसबा, कलोल (अन्तरक)

(2) पुनीत को. ओ. यं. सोसायटी—श्री बिट्टलभाई सोमाभाई, श्री रमेश डी. पटेल, जनाराम सा मिल, कलोल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्रों में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो पुनीत को. ओ. यं. सोसायटी, कलोल में स्थित है। सं. नं. 987/988 है जिसका कुल क्षेत्रफल 5804 वर्ग मीटर है। सब रजिस्ट्रार, कलोल में 4 नंबर पर ता. 2-1-84 से रजिस्टर्ड किए गए हैं।

जी. के. पंड्या, सक्षम प्राधिकारी

अहमदाबाद

तारीख : 21-9-84

मोहर :

Notice under section 269 D (1) of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961)

Ahmedabad, the 21st September, 1984

Ref. No. P.R. No. 3007 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I G. K. Pandya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein, after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 987 & 988 of Kalol sim for which F.P. No. 64 allotted adm. 5804 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalol on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of

this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following Persons namely :—

Mohmedkhan Nusarkhan Pathan,
Kalol—Kota Kasba—Kalol. (Transferor)(s)

1. Punit Co. op. Hsg. Socy. (Proposed)
C/o Shri Vithalbhai Somabhai Patel
Bhagodya Socy.
2. Shri Rameshbhai Devjibhai Patel
Kalol—opp : Kabin—Opp: Jalaram Saw Mill—
Kalol. (Transferee) (s)

Objections, If any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amount of Rs. 239166 in respect of land of Punit Co. op. H. Socy. Kalol bearing No. 987 and 988, F.P. No. 64 allotted adm. 5804 sq. mtr.

G. K. PANDYA, Competent Authority

Ahmedabad

Dated : 21-9-1984

Seal :